जयपुर में 4 इंच से ज्यादा बारिश, सड़कें लबालब

जेके लोन अस्पताल और शहर के निचले इलाकों में भरा पानी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर में दिनभर उमस के बाद सोमवार शाम को भारी बारिश हुई। करीब एक घंटे से अधिक समय की तेज बारिश से जेके लोन हॉस्पिटल और शहर के निचले इलाकों में पानी भर गया। इसके बाद रुक-रुककर बूंदाबांदी का दौर देर रात तक चलता रहा। जयपुर में सुबह 9 बजे से रात 8 बजे तक 4 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले कुछ घंटों में और बारिश होने की संभावना है। प्रशासन ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है।

■ सड़कों पर भारी ट्रैफिक जाम लगा, बीच रास्ते में घंटों तक फंसे रहे लोग

दरअसल सोमवार शाम करीब 6.30 बजे तेज बारिश का दौर शुरू हुआ था, जो 7.30 बजे तक चला। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग ऑफिस से घर लौट रहे थे।

शहर की बाहरी कॉलोनियों से आने वाले लोग बीच रास्ते में ही अटक गए। तेज बारिश की वजह से सड़क पर पानी भर गया। जाम के हालत बन गए। लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जयपुर में सुबह 9 बजे से रात 8 बजे तक 4 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। सबसे ज्यादा जे.एल.एन. मार्ग पर 111.50 मिमी (करीब 4 इंच), सांगानेर में 74 मिमी, कलेक्ट्रेट पर 55 मिमी, चौमूं में 27 मिमी और आमेर में 12 मिमी बारिश हुई। इसके अलावा जयपुर के नरैना में 20 तथा फागी में 12 मिमी बरसात दर्ज हुई।

सीकर रोड पर बी.आर.टी.एस. कॉरिडोर और उसके दोनों तरफ पानी भरने से दोपहिया व तीन पहिया वाहन चालक फंस गये।

सीकर रोड पर घुटनों तक भरा पानी:- जयपुर में सीकर रोड पर ढेहर के बालाजी, जगदंबा कॉलोनी में घुटनों तक पानी भर गया। सीकर रोड पर बीआरटीएस कॉरिडोर और उसके दोनों तरफ पानी भरने से ट्रैफिक की आवाजाही प्रभावित रही। यहां जेडीए की ओर से ड्रेनेज सिस्टम विकसित करके पानी को अमानीशाह नाले में डायवर्ट करने का काम किया गया।

जेके लोन अस्पताल में भरा पानी:- जयपुर के जेके लोन हॉस्पिटल के एक्स-रे रूम के बाहर बारिश से पानी भर गया। इस दौरान मरीजों और परिजनों को एक्सरे करवाने के लिए आने-जाने में परेशानी हुई।

एसएमएस अस्पताल के बाहर भी दुकानों में पानी घुसा, इससे मरीजों और उनके परिजनों को काफी परेशानियां झेलनी पड़ी।

विधानसभा के सामने लगा जाम:- विधानसभा के सामने जनपथ पर पानी भरने से जाम के हालात बन गए। लालकोठी सब्जी मंडी से पहले जेपी फाटक अंडरपास के सामने 2 फीट तक पानी भर गया।

इसी तरह जेएलएन मार्ग पर डेढ़ फीट तक पानी भरा:- जयपुर के जेएलएन मार्ग पर एसएमएस कॉलेज और त्रिमूर्ति सर्किल पर एक से डेढ़ फीट पानी भर गया है।

जयपुर के परकोटा में तेज बारिश से पानी भर गया। एक तरफ शाम को बूढ़ी तीज की सवारी निकल रही थी, दूसरी तरफ भारी बारिश से सड़के लबालब हो गई। लोग सड़कों पर जहां थे, वहीं फंस कर रह गए।

गोपालपुरा पुलिया पर जाम में फंसे लोग:- जयपुर में बारिश के बाद जेएलएन मार्ग, गोपालपुरा पुलिया और टोंक रोड पर लंबा जाम लग गया। बरकत नगर में किसान मार्ग पर पानी भरने से आवाजाही अवरुद्ध हो गई।

शहर में मुख्य सड़कों पर ट्रैफिक जाम से बचकर गुजरने की कोशिश में वाहनो का रैला कॉलोनियों में घूमकर निकलता दिखा। ऐसे में वहां भी लोग फंसे रहे ।

तीन देशी कट्टे व तीन जिंदा कारतूस सहित एक बाल अपचारी निरुद्ध

जयपुर। कालवाड थाना पुलिस ने ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार सहित एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया है और उसके पास से हथियार तीन देशी कट्टे और तीन जिंदा कारतूस जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपित बाल अपचारी से पूछताछ की जा रही है।

■ बाल अपचारी अवैध हथियार देसी कट्टे व कारतुस अलवर से 15 हजार रुपये में खरीद कर लाया था

पुलिस उपायुक्त जयपुर शहर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कालवाड थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित एक बाल अपचारी को निरुद्ध कर उसके पास से अवैध हथियार तीन देशी कट्टे और तीन जिन्दा कारतुस बरामद किया है।

थानाधिकारी कालवाड़ कविता शर्मा ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि कालवाड मेन रोड से मालीवाडा श्मशान घाट की तरफ से युवक आ रहा है। जिसके पास अवैध हथियार होने की संभावना है। जिस पर टीम ने संदिग्ध युवक को रोका और बैग चेक किया गया तो उक्त शख्स के कब्जे से अवैध तीन देशी कट्टे व तीन जिंदा कारतूस मिले।

पुलिस पूछताछ की गई तो सामने आया कि बाल अपचारी अवैध हथियार देसी कट्टे व कारतुस अलवर से 15 हजार रुपये में खरीद कर लाया था। उसका पिछले कुछ दिनों से कालवाड के हिस्ट्रीशीटर भूपेंद्र सिंह कालवाड़ के साथ सोशल मीडिया पर हुए विवाद चल रहा था।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रावण मास के तृतीय सोमवार के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास स्थित राज राजेश्वरी मंदिर में भगवान शिव का अभिषेक कर विधिवत मंत्रोच्चार के साथ सपत्नीक पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

60वीं लक्खी पदयात्रा 31 को

जयपुर। कल्याण जी डिग्गीपुरी की 60वीं लक्खी पदयात्रा का इंतजार खत्म होने वाला है। इस बार अच्छी बारिश होने के कारण पिछले साल की तुलना में अधिक श्रद्धालुओं के पदयात्रा में शामिल होने का अनुमान है। पदयात्रा 31 जुलाई को सुबह 9 बजे चौड़ा रास्ता स्थित ताडक्रेश्वर महादेव मंदिर से जयकारों के साथ रवाना होगी। इस बार भी लाखों श्रद्धालु महिला-पुरुष, बालक-बालिकाएं पैदल चलकर डिग्गीपुरी स्थित भगवान कल्याण जी के दर्शनार्थ रवाना होंगे। यात्रा का शुभारंभ मुख्य केसरिया निशान ध्वज की विधिवत पूजा-अर्चना के बाद होगा। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी, सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा, हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य , एडवोकेट नवीन टांक, त्रिवेणीधाम शाहपुरा के रामरिछपाल देवाचार्य महाराज, रामप्रताप सिंह एवं अन्य गणमान्य अतिथि ध्वज पूजन कर यात्रा को रवाना करेंगे। यात्रा मार्ग में चौड़ा रास्ता से लेकर जेएलएन मार्ग, टोंक रोड पर भंडारे लगाए जाएंगे।

स्कूलों की बदहाल स्थिति पर हाईकोर्ट ने लिया प्रसंज्ञान

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश की स्कूलों की इमारतों की बदहाल स्थिति और संसाधनों के अभाव को लेकर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में शिक्षा मंत्रालय, बाल विकास मंत्रालय, मुख्य सचिव, एसीएस शिक्षा, प्रमुख बाल कल्याण सचिव और राष्ट्रीय बाल आयोग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अदालत ने मामले को जनहित याचिका के तौर पर दर्ज करने के निर्देश देते हुए शिक्षा मंत्रालय और मुख्य सचिव से मामले में उठाए गए कदमों की जानकारी पेश करने को कहा है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेष प्रकरण में प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट्स पर कार्रवाई करते हुए दिए।

■ अदालत ने मामले में शिक्षा मंत्रालय, बाल विकास मंत्रालय, मुख्य सचिव, एसीएस शिक्षा, प्रमुख बाल कल्याण सचिव और राष्ट्रीय बाल आयोग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि राष्ट्रीय बाल आयोग की राजस्थान सहित एक दर्जन राज्यों की 26 हजार स्कूलों के सर्वे रिपोर्ट में आया है कि 22 फीसदी स्कूल जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं और करीब 31 फीसदी स्कूलों की दीवारों में दरार आई हुई हैं। स्कूल वो जगह है, जहां भविष्य को आकार दिया जाता है। प्रभावी शिक्षण और सुरक्षित वातावरण इसकी जरूरी शर्त है। वहीं शिक्षा विभाग के सूत्रों से पता चलता है कि 50 फीसदी से अधिक प्राथमिक स्कूल बिना बिजली के संचालित हो रहे हैं। इसी तरह 9 फीसदी स्कूलों में पीने के पानी की सुविधा नहीं है और दस फीसदी बालिका स्कूलों में शौचालय का अभाव है। अदालत ने कहा कि स्कूलों में डिजिटल शिक्षण उपकरणों का भी अभाव है। केवल 57 फीसदी स्कूलों में कंप्यूटर हैं और 53 फीसदी में ही इंटरनेट कनेक्षन है। अदालत ने कहा कि समस्या केवल सरकारी स्कूलों तक ही सीमित नहीं है। निजी स्कूलों में भी जरूरी बुनियादी ढांचे की कमी है। प्रदेश में चालीस हजार स्कूलों पर दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए सुगम सुविधाएं नहीं होने के लिए जुर्माना लगाया गया है। वहीं आधे स्कूल जरूरी शारीरिक शिक्षा प्रदान नहीं करते। अदालत ने कहा कि पिछली राज्य सरकार ने 3737 हिंदी माध्यम स्कूलों को अंग्रेजी मीडियम में बदला, ताकि अंग्रेजी शिक्षा को बढ़ावा दिया जा सकते। हालांकि इसके पांच साल बाद यह महत्वाकांक्षी पहल खराब बुनियादी ढांचे, प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी और विद्यार्थियों की रूचि में कमी के कारण असफलता का सामना कर रही है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने नागरिकों की समस्याएं सुनी

जयपुर । उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सिविल लाइंस स्थित कार्यालय में जनसुनवाई की। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए आमजन ने अपनी समस्याएं उपमुख्यमंत्री के समक्ष रखीं।

जनसुनवाई में आए लोगों ने मुख्य रूप से बिजली, पानी, सड़क, नाली और स्थानीय प्रशासन से जुड़ी समस्याएं रखीं। उपमुख्यमंत्री ने हर शिकायत को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश देकर त्वरित समाधान के लिए कहा।

■ जनसुनवाई में आए लोगों ने मुख्य रूप से बिजली, पानी, सड़क, नाली और स्थानीय प्रशासन से जुड़ी समस्याएं रखीं

दिया कुमारी जी ने कहा कि - जन समस्याओं का त्वरित समाधान राज्य सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेशवासियों को राहत देने और शासन की संवेदनशीलता को धरातल तक पहुँचाने के उद्देश्य से यह जनसुनवाई आयोजित की जाती है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी (बीच में) ने सिविल लाइंस स्थित कार्यालय में जनसुनवाई की।

गौरतलब है कि उपमुख्यमंत्री सप्ताह में दो दिन नियमित रूप से जनसुनवाई करती हैं, जिसमें हर वर्ग के लोग अपनी व्यक्तिगत या सामूहिक समस्याओं को लेकर आते हैं। उपमुख्यमंत्री स्वयं सभी प्रकरणों की निगरानी करती हैं और संबंधित विभागों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश देती हैं।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त समस्याओं को केवल कागज़ों में दर्ज न करें, बल्कि समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए।जनसुनवाई में उमड़ी भीड़ ने इस प्रक्रिया में विश्वास जताया।

'आमजन की समस्या का समाधान हो अधिकारियों की सर्वोच्च प्राथमिकता'

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार गरीब, महिला, युवा एवं किसान सहित सभी वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जनसुनवाई के माध्यम से भी इन वर्गों की प्रत्येक समस्या का समाधान किया जा रहा है। जनसुनवाई सरकार की जवाबदेही का आधार बन रही है एवं आमजन अपनी परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण से बेहद संतुष्ट हैं।शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई की।

उन्होंने इस दौरान आमजन की परिवेदनाओं को आत्मीयता के साथ सुना तथा अधिकारियों को उन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि जनसुनवाई में परिवादी अपनी समस्या के समाधान के लिए प्रशासन से बड़ी उम्मीद रखते हैं। ऐसे में अधिकारी उनकी समस्याओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध निस्तारण करें। शर्मा ने जनसुनवाई में बड़ी संख्या में आई महिलाओं, दिव्यांगों, बुजुर्गों सहित विभिन्न लोगो की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवादियों को जल्द से जल्द राहत दी जाए। साथ ही, प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए परिवादियों को इसके बारे में सूचित भी किया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

■ मुख्यमंत्री शर्मा ने जनसुनवाई में आई महिलाओं, दिव्यांगों, बुजुर्गों सहित विभिन्न लोगो की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया

जनसुनवाई में आए सोहन लाल ने बताया कि कैंसर की बीमारी से पीड़ित उनके पुत्र मनीष का पिछले कई महीनों से इलाज चल रहा है। दिहाड़ी मजदूरी से जीविका का निर्वहन कर रहे सोहन लाल आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। ऐसे में अपने बेटे के इलाज में उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने जनसुनवाई में मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी पीड़ा जाहिर की। इस पर मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि मनीष का तुरंत निःशुल्क इलाज कराने की व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता से अब मनीष का कैंसर का निःशुल्क इलाज हो सकेगा।

जनसुनवाई में बड़ी संख्या में परिवादी अपनी अनेक समस्याओं के साथ मुख्यमंत्री के समक्ष उपस्थित हुए। कोई परिवादी मुख्यमंत्री से इलाज हेतु सहायता मांगने आया, तो कोई परिवादी अपनी पेंशन से जुड़ा मामला लेकर उपस्थित हुआ। किसी फरियादी ने जमीन से संबंधित मामले को लेकर सहायता मांगी तो किसी ने नियमों में राहत के लिए प्रार्थना-पत्र सौंपा।

'जिला उत्पादों के निर्यात को गति प्रदान कर रहा है एम.एस.एम.ई. मंत्रालय'

जयपुर। केंद्र की मोदी सरकार एक जिला एक उत्पाद योजना के माध्यम से प्रत्येक जिले के विशिष्ट उत्पाद को पहचान दिलाने का प्रयास कर रही है। इसके लिए मोदी सरकार का सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय की ओर से उत्पादों की ब्रांडिंग, प्रचार और क्षेत्रीय विकास को गति प्रदान की जा रही है। एक जिला एक उत्पाद योजना के माध्यम से राजस्थान के सभी जिलों को लाभ हुआ है। इससे राज्य की विनिर्माण क्षमता, निर्यात योगदान और जिला स्तर पर रोजगार सृजन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में यह जानकारी सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री शोभा करांदलाजे ने सदन में दी।

■ सरकार एक जिला एक उत्पाद योजना में जिलों के विशिष्ट उत्पादों को पहचान दिलाने का कर रही है प्रयास : मदन राठौड़

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने राज्यसभा में से जुड़े प्रश्न में राजस्थान के संदर्भ में वन जिला वन उत्पाद योजना, अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में भागीदारी, डिजिटल मार्केटिंग व ई-कॉमर्स प्रशिक्षण तथा छोटे उद्योगों को सॉफ्ट लोन और अनुदान सहायता के प्रभाव की जानकारी मांगी थी। इसके उत्तर में केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करांदलाजे ने बताया कि राजस्थान के जिलों को निर्यात हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। एमएसएमई इकाइयों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में भागीदारी के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की जा रही है। डिजिटल मार्केटिंग और ई-कॉमर्स के क्षेत्र में उद्यिमयों को प्रशिक्षण देकर उन्हें वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाया जा रहा है। वहीं वित्तीय रूप से कमजोर एमएसएमई इकाइयों को सस्ती दरों पर ऋण और अनुदान मुहैया कराया जा रहा है। राठौड़ ने बताया कि मोदी सरकार उद्यम सृजन, क्षमता निर्माण, टूल किट आदि के लिए प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, पीएम विश्वकर्मा, खरीद और विपणन सहायता, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, खादी ग्रामोद्योग विकास योजना, कयर विकास योजना जैसी स्कीम के माध्यम से वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है।

जैसलमेर की 15 गौशालाओं की जांच ए.सी.बी. करेगी : जोराराम कुमावत

जयपुर। जिला स्तरीय एवं गोपालन विभाग की जांच में अपात्र पाई गई जैसलमेर जिले की 15 और गौशालाओं की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्धारा जांच की जाएगी। इस संबंध में सोमवार को शासन सचिवालय में आयोजित गोपालन, पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने बैठक में निर्देश दिए। इस बैठक में पशुपालन विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा, एसीबी के डीआईजी अनिल कयाल, गोपालन विभाग के डायरेक्टर प्रहलाद राय नागा, संयुक्त निदेशक (वैल्यू एडिशन) डॉ. मनोज कुमार शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में बताया गया कि जिला कलेक्टर के निर्देश पर प्रथम चरण में 12 गौशालाओं में अनियमितता की जांच जिला स्तरीय कमेटी व गोपालन विभाग की टीम द्धारा की गई। दो अलग-अलग जांचों में इन 12 गौशालाओं में अनियमितता की पुष्टि के बाद मामला एसीबी को सौंपा गया। एसीबी की जांच में उक्त गौशालाओं में गलत तरीके से अनुदान प्राप्त करने की पुष्टि होने के बाद उनकी अनुदान राशि पर रोक लगा दी गई। इसके बाद जिला कलेक्टर के निर्देश पर जैसलमेर जिले की 15 और गौशालाओं की विभागीय स्तर पर जांच के बाद गड़बड़ी सामने आने पर उनकी जांच भी अब एसीबी से करवाने का गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने निर्देश दिया है। गोपालन मंत्री कुमावत ने बताया कि गौवंश की संख्या गलत दर्शाकर भुगतान उठाने के मामले सामने आने के बाद कुल 27 गौशालाओं को अनुदान के लिए अपात्र घोषित कर उन्हें ब्लेकलिस्ट कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी यदि किसी अन्य गौशाला में गड़बड़ी की शिकायत मिलती है तो उसे गंभीरता से लिया जाएगा। जैसलमेर जिले की 27 गौशालाओं में गड़बड़ी सामने आने के बाद गोपालन विभाग ने करीब 12 करोड़ रुपए की बचत की है।

जोराराम कुमावत(दांये) ने शासन सचिवालय में गोपालन, पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के अधिकारीयों की बैठक ली।

■ जिला कलेक्टर के निर्देश पर प्रथम चरण में 12 गौशालाओं में अनियमितता की जांच जिला स्तरीय कमेटी व गोपालन विभाग की टीम ने की

गोपालन विभाग के बाद पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने पशुपालन विभाग की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने पशु परिचर भर्ती जल्दी करवाने, वर्ष 2025-26 के लिए मंगला पशुधन बीमा योजना के तहत नए पंजीकरण कराने, मोबाइल वेटनरी यूनिट के बेहतर क्रियान्वयन, नए वेटेनरी कॉलेज खोलने, पशुधन निरीक्षक के डिप्लोमा कॉलेज खोलने के लिए केबिनेट सब कमेटी की बैठक में लिए गए निर्णयों की समीक्षा की गई।

आयुक्त डॉ. पटेल को पर्यावरण संरक्षण विषयक पेंटिंग भेंट की

जयपुर। डिजिटल बाल मेला की कशिश जैन ने जयपुर नगर निगम हेरिटेज की आयुक्त डॉ. निधि पटेल को बाल चित्रकार गीत नामदेव द्वारा बनाई गई पर्यावरण संरक्षण विषयक पेंटिंग भेंट की, जिसमें स्वच्छ जल, हरित पृथ्वी और पुनर्चक्रण का संदेश समाहित था। डॉ. पटेल ने 'कौन बनेगा बाल पार्षद' अभियान के तहत बच्चों की सक्रियता की सराहना करते हुए कहा कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट जैसे गंभीर विषयों पर बच्चों की भागीदारी भविष्य के लिए प्रेरणास्पद है। उन्होंने बाल निगम सभा की तैयारिया के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि इसे व्यापक स्तर पर बढ़ाने की ज़रूरत है ।

डिजिटल बाल मेला की जाह्नवी शर्मा ने बताया कि नगर निगम हेरिटेज कमिश्नर डॉ निधि पटेल को बाल पार्षद सभा की तैयारियों के बारे में भी विस्तार से बताया। ग़ौरतलब है की मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने डिजिटल बाल मेला की टीम से मिलकर निगम सभा बाल सत्र का पोस्टर जारी कर इसकी सफलता की अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित की थी ।

देवनानी ने विधान सभा शिव मंदिर में सहस्त्र रुद्राभिषेक और महाआरती की

जयपुर। राजस्थान विधानसभा परिसर स्थित विधानेश्वर महादेव मंदिर में श्रावण मास के सोमवार के पावन पर्व पर सहस्त्र घट, रुद्राभिषेक और महाआरती का आयोजन किया गया। यह आध्यात्मिक अनुष्ठान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की प्रेरणा और मार्गदर्शन में विधान सभा सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किया गया।

■ प्रदेश की सुख-समृद्धि, आरोग्य और विश्व कल्याण के लिए प्रार्थना

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शिव पंचायत पूजन, शिव जलाभिषेक, सहस्त्र घट, रुद्राभिषेक करके महाआरती की शुरुआत की। देवनानी ने पूजा अर्चना कर देश और प्रदेश की सुख समृद्धि, आरोग्य और विश्व कल्याण के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस मौके पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, विधायक हरिमोहन शर्मा, बालमुकुन्दाचार्य सहित अनेक विधायकगण मौजूद थे। प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के शर्मा सहित विधानसभा के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी सामूहिक रूप से सहस्त्र घट, रुद्राभिषेक और महाआरती में श्रद्धा के साथ भाग लिया। इस विशेष रुद्राभिषेक में सहस्त्र कलशों से भगवान शिव का अभिषेक कर विधिवत वैदिक मंत्रों और रुद्रपाठ के साथ शिवतत्व की आराधना की गई।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी (बीच में) ने शिव जलाभिषेक, सहस्त्र घट, रुद्राभिषेक करके महाआरती की शुरुआत की।

वैदिक विधि से सम्पन्न इस आयोजन का उद्देश्य राज्य की सुख-शांति, समृद्धि तथा जनकल्याण हेतु सामूहिक ऊर्जा का संचार करना था। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि भगवान विधानेश्वर शिव द्वारा इस विधान सभा भवन के केंद्र में आस्था, चेतना और संस्कारों की ज्योति प्रज्ज्वलित होती हैं। उन्होंने कहा कि रुद्राभिषेक जैसे आयोजनों से न केवल वातावरण पवित्र होता है।